B.M.A. College Baheri Darbhanga (LNMU)
B.A. (Hons) Part-1 Paper-1

8.07.2020

Dr. S.K. Singh
Deptt of Economics

जनसंख्या घनत्व (POPULATION DENSITY)

जनसंख्या के घनत्व से अर्थ मानव भूमि अनुपात (Man-Land Ratio) से है। दूसरे शब्दों में, किसी क्षेत्र में प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करने वाले व्यक्तियों की औसत संख्या को ही जनसंख्या का घनत्व कहते हैं। इस जनसंख्या घनत्व को एक देश की कुल भूमि में कुल जनसंख्या का भाग देकर निकाला जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किलोमीटर 382 व्यक्ति है, जो 1901 की गणना के समय 77 व्यक्ति था। जनसंख्या का घनत्व किसी स्थान या क्षेत्र में अधिक होता है तो किसी में कम। इसके कारण भूमि की उर्वरा शक्ति, जलवायु, सिंचाई साधन, व्यापार, राजधानी, परिवहन साधन, उद्योग, प्राकृतिक देन, माल व जीवन की सुरक्षा आदि हैं।

भारतीय जनसंख्या के घनत्व के सम्बंध में मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं।

1) जनसंख्या के घनत्व में लगातार वृद्धि - पिछली जनगणनाओं के आंकड़ों से यह पता चलता है कि भारत में जनसंख्या के घनत्व में बराबर वृद्धि हो रही है। दूसरे शब्दों में, मनुष्य-भूमि अनुपात बराबर बढ़ रहा है। विभिन्न वर्षों में प्रति वर्ग किलोमीटर में जनसंख्या का घनत्व इस प्रकार रहा है: 1901 में 77, 1911 में 82, 1921 में 81, 1931 में 90, 1941 में 103, 1951 में 117, 1961 में 142, 1971 में 177, 1981 में 216, 1991 में 267, 2001 में 325 तथा 2011 में 382।

2) भारत की मध्यम स्थिति - विश्व में विभिन्न देशों में जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से भारत की स्थिति मध्यम है, जैसे जापान में 350, जर्मनी में 235, ब्रिटेन में 261, चीन में 145, अमरीका में 34, रूस में 9, कनाडा में 4 व आस्ट्रेलिया में 3, विश्व औसत 54।"

3) राज्यों में जनसंख्या घनत्व में भारी भिन्नता देना - भारत में विभिन्न राज्यों में जनसंख्या घनत्व में भारी भिन्नता पायी जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार जहाँ अरुणाचल प्रदेश में प्रति वर्ग किलोमीटर 17 व्यक्ति रहते हैं तथा NCT दिल्ली में 11,320 चण्डीगढ़ में 9,258, पश्चिम बंगाल में 1,028 व केरल में 860 व्यक्ति रहते हैं। उत्तर प्रदेश में जनसंख्या का घनत्व 829 है।